# बस्तर का जगन्नाथ कर रहा सब्जीयों का संकर बीजोत्पादन

| | | |
|---|---|---|
| कृषक का नाम | :– | **जगन्नाथ राय** |
| उम्र | :– | **40 वर्ष** |
| जाति | :– | **सामान्य** |
| पता | :– | **ग्राम मालगाँव, विकासखण्ड– बकावंड, जिला– बस्तर (छ0ग0)** |
| परिवार सदस्य | :– | **12** |
| मोबाईल नंबर | :– | **09329845709** |
| षिक्षा | :– | **पांचवी** |
| कुल भूमि | :– | **20 एकड़ (उच्चहन भूमि)** |
| सिंचाई साधन | :– | **ट्यूबवेल–5 HP एवं ड्रिप सिंचाई विधि** |
| पशुधन | :– | **गायें – 2 नग** |
| मषीन एवं यंत्र | :– | **ट्रेक्टर, रोटावेटर, कल्टीवेटर, मोल्डवोल्ड प्लाऊ** |
| वाहन | :– | **पिकअप, स्कोरपिओ, मोटरसाइकल** |
| सम्मान | :– | **प्रगतिषील कृषक सम्मान (कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा)** |

**अंगीकृत उन्नत तकनीक का विवरण :–**

श्री जगन्नाथ राय, ग्रामः मालगाँव, वि.ख.ः बकावंड, जिलाः बस्तर की 20 एकड़ उच्चहन भूमि पर 5 HP ट्यूबवेल से ड्रिप विधि द्वारा सिंचाई कर सफल सब्जी एवं उन्नत/संकर बीजोत्पादन कर प्रगतिषील एवं व्यावसायिक कृषक बन गया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वर्ष 2003 में सम्पर्क आने के पहले जगन्नाथ वर्षा आधारित परम्परागत देषी/उन्नत मक्का, धान, रामतिल, उड़द आदि फसलों की खेती एवं कृषि मजदूरी आदि से रू. 70,000.00 से 80,000.00 तक वार्षिक आय अर्जित करता था। वर्ष 2003 के बाद केन्द्र के वैज्ञानिकों ने प्रषिक्षण, प्रदर्षन एवं तकनीकी मार्गदर्षन देकर वर्षभर व्यावसायकि रूप से खेती करने की सलाह एवं शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान की गयी। जिससे वर्तमान में आय बढ़कर 18 से 20 लाख रू. प्रतिवर्ष हो गयी है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, इंदिरा गांधी कृषि विष्वविद्यालय – बस्तर (छ.ग.) द्वारा फसल विविधीकरण के अन्तर्गत वर्ष 2003 में गाँव – मालगांव, वि.ख.– बकावंड के जगन्नाथ राय का चयन किया गया। वर्ष 2003 से 2006 तक 10 एकड़ भूमि में सब्जी एवं मक्का उत्पादन करता था। सिंचाई साधन हेतु ट्यूबवेल था। खेत पर झोपड़ी बनाकर जगन्नाथ उनकी पत्नि एवं 3 भाई रहकर दिन–रात सब्जी की खेती में मेहनत एवं देखरेख करते थे।

कृषि वैज्ञानिक उनको कृषि तकनीक पर प्रषिक्षण एवं प्रदर्षन, एक्सपोजर भ्रमण, उन्नत बीज, उर्वरक एवं कीटनाषक दवायें आदि से लाभ पहुंचाया।

प्रारंभिक अवस्था में जगन्नाथ को भूमि के अनुसार फसलों एवं किस्मों का चयन, खेत की तैयारी एवं दीमक नियंत्रण आदि के बारे में व्यवहारिक ज्ञान दिया गया एवं कृषक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते रहते थे। उन्होने उन्नत तकनीक को अंगीकृत कर अपनी खेती में क्रियान्वित किया। उनके नेतृत्व में उनका परिवार कड़ी मेहनत कर उत्तरोत्तर प्रगति करते गये। वर्ष 2006–07 में बैंक से ऋण लेकर 10 एकड़ उच्चहन जमीन की खरीदी की। जब इन्होने भूमि खरीदी उस समय वह भूमि पड़ती रहती थी और उस पर छोटी छोटी झाड़ियाँ एवं घास ऊगा हुआ था। लेकिन उनकी मेहनत एवं लगन से बंजर भूमि एक आधुनिक खेती का मॉडल बन गया है। पूरी 15 एकड़ जमीन पर ड्रिप पद्यति से सिंचाई और जानवरों की सुरक्षा हेतु फेंसिग कार्य करवाया है। गोबर खाद ट्रकों में खरीदकर मुरम जमीन पर साल भर सब्जी एवं मक्का उत्पादन कर रहा है।

**उन्नत कृषि तकनीक का अंगीकृत :–**

कृषक जगन्नाथ ने विगत 8 वर्षों में अपनी वर्षा आधारित परम्परागत कृषि पद्धति में कृषि वैज्ञानिकों के तकनीकी मार्गदर्षन में चमत्कारिक बदलाव किये हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र के सम्पर्क में आने से पहले धान, मक्का, रामतिल, रागी, उड़द एवं कुल्थी आदि की देषी किस्में, छिड़काव विधि से बिना उर्वरक एवं कीटनाषक दवाओं के प्रयोग के स्थानीय पद्धति से खेती करते थे।

वर्तमान में जगन्नाथ आधुनिक उन्नत तकनीक के अन्तर्गत सिंचाई साधन हेतु ट्यूबवेल खनन् कराके ड्रिप सिंचाई विधि की प्रारंभ की। उसके बाद लाभकारी फसलों का मौसमानुसार एवं भूमि चयन अनुसार खरीफ में मक्का, करेला, कुम्हड़ा, कंदीय फसलें (जिमीकंद, अरबी) और रबी में मिर्च, गोभी, टमाटर, सेम, बरबटी, तोरई आदि और उन्नत/संकर किस्में, बीजोपचार, निष्चित दूरी पर समय पर कतार बुवाई, सन्तुलित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग, निंदाई नियंत्रण क्रियाऐं समय पर श्रमिक एवं नींदानाषक दवाओं का प्रयोग। ड्रिप विधि से सिंचाई एवं सूक्ष्म तत्वों, फफूँदनाषक और कीटनाषक दवाओं का निष्चित अनुपात में प्रयोग। मक्का, मिर्च एवं सब्जियों के प्रमुख कीट–बीमारियों की पहचान कर उपयुक्त दवा का प्रयोग कर संकर किस्मों का बेहतर तकनीक से उत्पादन कर 18 से 20 लाख रूपये वार्षिक पिछले 2 वर्षों से कमा रहा है। जगन्नाथ की आय में जैसे–जैसे वृद्धि हुयी, उसी अनुपात में उसके सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार आया। पहले वह एक कच्चे घर में रहता था, आज खेत पर 10 कमरों का बड़ा आलीषान घर बनवाया है।

**खेत की जुताई एवं तैयारी हेतू :** ट्रेक्टर, रोटावेटर, कल्टीवेटर, एम.पी. प्लाऊ, ट्रॉली इत्यादि।

**वाहन व्यवस्था :** सब्जी पैदावार को खेत से बाजार पहुंचाने हेतु एक पिकअप खरीदी है।

**आवागमन हेतु वाहन :** स्वयं एवं परिवार के सदस्यों को बाजार, रिष्तेदार एवं अन्य स्थानों पर आने जाने हेतु स्कोरपियो, मोटरसाइकल खरीदी है।

**दुग्ध उत्पादन :** परिवार के सदस्यों के लिये दूध की पूर्ति हेतु 2 जर्सी गायें पाली गयी है, उनके गोबर से नाडेप कम्पोस्ट बनाया जाता है।

## उन्नत कृषि तकनीक के अंगीकरण की उपयोगिता :–

जगन्नाथ ने विगत 8 वर्ष में अपनी कृषि पद्धति में जबरदस्त बदलाव किया है। एक साधारण खेती करने वाला व्यक्ति आज उन्नत कृषि तकनीक को अपनाकर सफल सब्जीउत्पादन के साथ एक संकर बीजोत्पादक बन गया है। जगन्नाथ और उसके परिवार की मेहनत और लगन से 15 एकड़ में टमाटर, करेला, तोरई, बरबटी आदि सब्जियों की खेती एवं बीजोत्पादन ड्रिप सिंचाई विधि से कर रहा है। जिससे आसपास के गॉवों के कृषक देखकर सीख रहें हैं। जिससे विगत 5 वर्षों में द्विफसलीय एवं तीन फसलीय क्षेत्रफल में काफी वृद्धि हुई है।

## जगन्नाथ का पूर्व एवं वर्तमान में फसलोंत्पादन एवं आय में तुलनात्मक वृद्धि का स्तर :–

| विवरण | अंगीकृत के पूर्व की स्थिति (2003) | | | | अंगीकृत के बाद की स्थिति (2011) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | रकबा एकड़ | किस्म | औसज उपज क्विं/एकड़ | शुद्ध आय रू./एकड़ | रकबा एकड़ | किस्म | औसज उपज क्विं/एकड़ | शुद्ध आय रू. /एकड़ |
| **खरीफ** | | | | | | | | |
| मक्का | 02 | उन्नत (मक्का) | 11 | 5000.00 | 10 | संकर (900 MG) | 24 | 12800.00 |
| धान | 4 | धान | 8 | 4000.00 | | | | |
| उड़द | | | | 2500.00 | | | | |
| रामतिल/कुल्थी | 2 | | 2 | 2000.00 | | | | |
| कुम्हड़ा | | | | | 4 | संकर | 200 | 20000.00 |
| जिमीकंद | | | | | 1 | गजेन्द्रा | 100 | 110000.00 |
| करेला | | | | | 2 | संकर सब्जीत्पादन | 300 | 35000.00 |
| | | | | | 3 | संकर बीजोत्पादन | 6 | 150000.00 |
| **रबी** | | | | | | | | |
| मिर्च | | | | | 10 | संकर | 300 | 100000.00 |
| सेम | | | | | 2 | उन्नत (OP) | 100 | 30000.00 |
| गोभी | | | | | 5 | संकर | 110 | 25000.00 |
| टमाटर एवं अन्य | | | | | 3 | संकर | 80–100 | 25000.00 |
| **फसल सधनता** | **100 %** | | | | **200 %** | | | |

## मूख्य बिंदू :–

1. वर्ष 2003 से पूर्व की कृषि एवं मजदूरी से वार्षिक आय रू. 70,000.00 से 80,000.00 तक थी, जो वर्तमान में बढ़कर 18 से 20 लाख रू. वार्षिक तक पहुंच गई है।
2. वर्ष 2003 में पहले सिंचाई का कोई साधन नहीं था। वर्ष 2003 में ट्यूबवेल खनन कराया और 2008 में 20 एकड़ भूमि पर ड्रिप पद्धति से सिंचाई कर रहा है।
3. गॉवों एवं अन्य आसपास के 5 गॉवों के 25–30 कृषकों को प्रतिदिन रोजगार उपलब्ध करा रहा है।
4. सालभर सब्जी उत्पादन एवं संकर किस्म का बीजोत्पादन कर रहा है।
5. जगन्नाथ की खेती देखकर आसपास के कृषक उनसे अनुभव लेकर विगत 5 वर्षों में सिंचाई साधन एवं सब्जीउत्पादन क्षेत्रफल में काफी वृद्धि हुयी है।
6. जगन्नाथ दूरदर्षन एवं आकाषवाणी का एक रिसोर्स व्यक्ति बन गया। इन माध्यमों के से बस्तर अंचल के ग्रामीणों तक अपनी खेती के अनुभव कृषकों तक पहुंचाकर सब्जीत्पादन हेतु प्रेरित एवं जागरूकता का कार्य कर रहा है।

कृषक जगन्नाथ द्धारा उन्नत कृषि तकनीक के अंगीकरण की एक झलक : ग्राम मालगांव, जिला बस्तर